पाठ -७ सिलाई कला

कभी-कभी खेलते या दौड़ते समय हमारे कपड़े फट जाते हैं या सिलाई खुल जाती है तो इन्हें ठीक करने के लिए हम क्या करते हैं ? कपड़ों को ठीक करने के लिए दर्जी के यहाँ जाते हैं अथवा घर पर मम्मी सिलाई करके फटे वस्त्र ठीक कर देती हैं।

घर में प्रायः कुछ न कुछ सिलाई का काम निकल आता है। कभी कोई वस्त्र फट गया या बटन टूट गए हों आदि। फटे कपड़े पहनने से उसकी सुन्दरता कम हो जाती है और कपड़ा देखने में खराब लगता है। फटे कपड़ों को सिलाई करके ठीक किया जाता है। किसी कपड़े को नाप के अनुसार काट कर उसे सुई धागे द्वारा हाथ अथवा मशीन से जोड़ना ही सिलाई कला है। सिलाई की उपयोगिता बढ़ाने के लिए सिलाई कला का ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति को होना आवश्यक है। आज के युग में सिलाई कला का महत्व प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

सिलाई करने के लिए कपड़ा काटने, खाका बनाने एवं उसकी विधि को जानना आवश्यक है।

सिलाई की विधि

सिलाई करने के लिए विभिन्न भागों की नाप लेने के लिए दो विधियों का प्रयोग करते हैं -

(क) प्रत्यक्ष नाप

प्रत्यक्ष नाप एवं वक्ष या सीट की नाप

इस विधि में शरीर के अंगों की नाप इंचीटेप से ली जाती है।

(ख) वक्ष या सीट की नाप से नाप निकालना

इस विधि में किसी व्यक्ति के वक्ष या सीट की नाप से ही पूरी नाप निकाल ली जाती है।

सिलाई उपकरण

सिलाई करने के लिए जिन उपकरणों की आवश्यकता होती है, वे निम्नवत् है -

कैंची, फीता, इंचीटेप, अंगुलिस्ताना, खड़िया अथवा मिल्टन चाॅक, मशीन-सुई व हाथ की सुईयाँ, धागा, स्केल, सिलाई मशीन, बाँसपेपर अथवा अखबार, गुनिया, प्रेस आदि।

सिलाई करने के लिए प्रयुक्त सिलाई-किट

सिलाई के प्रकार

हाथ से बखिया करना

बखिया के टाँके हाथ से भी डाले जाते हैं। बखिया के टाँके एक-दूसरे के बराबर होते हैं। इससे सिलाई पक्की और मजबूत होती है।

काज बनाना

काज़ उन्हीं कपड़ों में बनाते हैं जिसमें बटन लगाया जाता है। जिस कपड़े में काज बनाना हो, उस कपड़े में आवश्यकतानुसार उचित स्थान पर कैंची से कपड़ा मोड़कर बटन के हिसाब से काटते हैं। काटने के बाद उस स्थान से थोड़ी दूरी पर सबसे पहले किनारे-किनारे कच्चा कर लेते हैं।

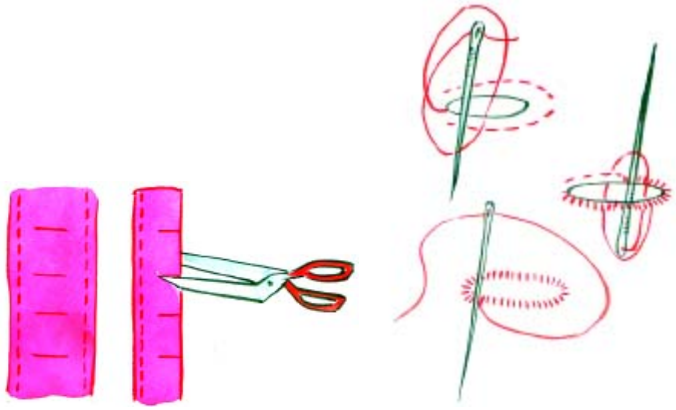

काज बनाने की प्रक्रिया

काज बनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि एक किनारा गोल और दूसरा नोंकदार हो। काज भरने के लिये सुई में दोहरा धागा डाल कर कच्ची की गई लाइन से थोड़ी सुई निकाल कर धागे को सुई की नोंक के आगे से घुमा कर पूरी सुई निकाल लेंगे।

पैबंद लगाना

कभी-कभी वस्त्र ऐसे फटते हैं, कि उन्हें सिला नहीं जा सकता है। ऐसी दशा में उस फटे हुए कपड़े में चिप्पी या पैच लगाया जाता है। पैच कई तरह से लगाया जाती है। गोल, तिकोन, चैकोर, पैबंद लगाने के लिए जिस रंग का कपड़ा फटा हो, उसी रंग के कपड़े का पैच लगाया जाता है। जिस आकार में कपड़ा फटा हो उसी आकार में पैच लगाना चाहिए। पैच वाला कपड़ा थोड़ा बड़ा रखना होता है। फटे हुये वस्त्र पर काटे गये पैच को उल्टी तरफ चारों ओर से मोड़कर रखेंगे और तुरपन कर देंगे।

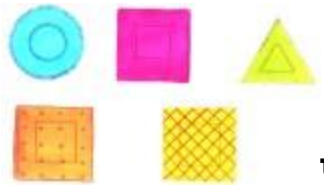

पैबंद या पैच बनाने के तरीके

सीधी तरफ से कपड़े को अंदर की तरफ बराबर-बराबर मोड़कर तुरपन करेंगे।

जाँघिया बनाना

नाप-लम्बाई - 20 सेमी0

हिप-48 सेमी0

0-1 पूरी ल0 20 सेमी0$2.5 सेमी0 नेफा के लिए (22.5 सेमी0)

0-2 सीट का 1/4 + 4 सेमी0 = (16 सेमी0)

2-3 = 0-1

1-3 = 0-2

0-4 = 2.5 सेमी0 नेफा के लिए

2-5 = 0-4

4 से 5 सीधी रेखा

5 से 6 लम्बाई का 1/2 + 2 (12 सेमी0)

3 से 6 = 3 से 6 (8 सेमी0)

5 से 8 = 1.5 सेमी0

2 से 8, 8 से 7 मिलाइए

6 से 7 शेप दीजिए (चित्रानुसार)

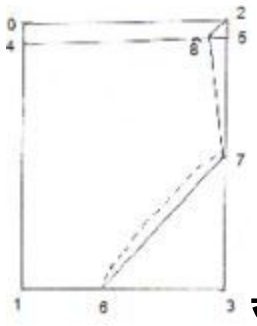

जांघिया काटने की विधि

झबला बनाना

झबला छोटे बच्चों को पहनाने का ढीला वस्त्र है।

नाप - लम्बाई = 30 सेमी0

घेर = 35 सेमी0 (अथवा इच्छानुसार)

1 से 2 पूरी लम्बाई + 2.5 सेमी0 नीचे मोड़ने के लिये।

1 से 3 = घेर का 1/2 = 16.5 सेमी0

3 से 4 = 1 से 2

2 से 4 = 1 से 3

3 से 5 = 5 सेमी0 (कन्धा)

3 से 7 = 10 सेमी0 (बाँह खोलने के लिए)

1 से 6 = 3 सेमी0

5 से 6 गले का शेप (3 से 5 चुन्नट देकर सिलें)

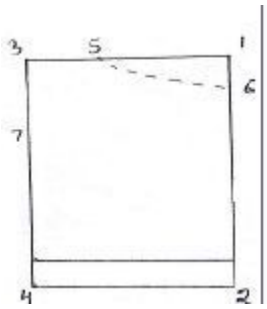

झबला काटने की विधि

शिक्षक निर्देश -

बच्चों के सामने जाँघिया व झबला का रेखाचित्र बनाकर, पेपर पर कटिंग करके वस्त्रों को सिलें एवं बच्चों से भी सिलवाएँ।

अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित कथनों में सत्य के सामने (T) तथा असत्य के सामने (F) का चिह्न लगाइए-

(क) शरीर के विभिन्न भागों के नाप लेने की दो विधियाँ हैं।( )

(ख) झबला बड़े बच्चों को पहनाने का ढीला वस्त्र है। ( )

(ग) बखिया के टाँके हाथ से भी डाले जाते हैं।( )

2. अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(क) शरीर के विभिन्न भागों के नाप लेने की विधियों के नाम लिखिए।

(ख) सिलाई में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों के नाम लिखिए।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न

(क) सिलाई कला का अर्थ लिखिए।

(ख) सिलाई की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) काज बनाने की प्रक्रिया लिखिए।

(ख) पैबंद कितने प्रकार के होते है ?

प्रोजेक्ट वर्क-

- जाँघिया की ड्राफ्टिंग कागज पर करें।
- झबला काट कर हाथ से बखिया कीजिए।